vkj- ,u- vkbZ- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्‌भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 14 vad % 19 y[kuÅ] lkeokj 21 vxLr 2023 ls 27 vxLr 2023 rd i"B&8 ewY; % ,d :i;k

आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों का उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें: SC

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय सूचना आयोग और राज्य सूचना आयोगों को सार्वजनिक प्राधिकरणों द्वारा सक्रियता से सूचना प्रदान करने सहित सूचना का अधिकार अधिनियम, २००५ के प्रावधानों का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने कहा कि सार्वजनिक जवाबदेही एक महत्वपूर्ण विशेषता है जो 'कर्तव्य धारकों' और 'अधिकार धारकों' के बीच संबंधों को नियंत्रित करती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि शक्ति एवं जवाबदेही साथ–साथ चलती हैं और कहा कि सभी नागरिकों को अधिनियम की धारा–३ के तहत 'सूचना पाने का अधिकार' है। इसी तरह, आरटीआई अधिनियम की धारा–४ में सार्वजनिक प्राधिकरणों के दायित्व के रूप में 'कर्तव्य' का प्रावधान किया गया है। पीठ ने कहा, "हम निर्देश देते हैं कि केंद्रीय सूचना आयोग और राज्य सूचना आयोग अधिनियम की धारा–४ के क्रियान्वयन की निरंतर निगरानी करेंगे।" सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा–४ सार्वजनिक प्राधिकरणों के दायित्वों से संबंधित है। आरटीआई अधिनियम की धारा ४(१)(बी) उस जानकारी का प्रावधान करती है जिसे सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा स्वतरू संज्ञान या सक्रिय आधार पर प्रकट किया जाना चाहिए। वहीं, धारा ४(२) और धारा ४(३) इस जानकारी के प्रसार की प्रक्रिया निधारित करती है। शीर्ष अदालत ने सूचना का अधिकार अधिनियम के उस प्रावधान के प्रभावी क्रियान्वयन के अनुरोध वाली किशन चंद जैन की याचिका पर एक फैसले में यह बात कही, जो सार्वजनिक प्राधिकारियों को अपने कामकाज के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी का स्वतः खुलासा करने का प्रावधान करता है।

CM योगी ने 'जनता दर्शन' में सुनीं जनसमस्याएं

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके प्रभावी निस्तारण के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के कई जिलों से आये लोगों ने अपनी समस्याओं से सीएम योगी को अवगत कराया। सीएम योगी ने खुद एक–एक कर सभी के पास जाकर उनकी समस्याओं के प्रार्थनापत्र लिए और निस्तारण का भरोसा दिलाया। बताते चलें कि सीएम योगी गोरखपुर और लखनऊ दोनों ही जगह समय–समय पर जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। जिसमें वो जनता की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित करते हैं।

प्रोफेसर बिहारी लाल शर्मा बने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने प्रोफेसर बिहारी लाल शर्मा को वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल ने बरेली के महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति को दोबारा इस पद पर नियुक्त किया है। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ सुधीर महादेव बोबड़े ने यहां जारी एक बयान जारी कर बताया, "उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने प्रो० बिहारी लाल शर्मा को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी का कुलपति नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में कार्यरत शर्मा की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए की गयी है। बोबडे ने बताया कि राज्यपाल ने प्रो० कृष्ण पाल सिंह को महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय का दोबारा कुलपति नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर कार्यरत सिंह की पुनः नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए की गयी है।

सम्पादकीय

सीडब्ल्यूसी का पुनर्गठन

नवगठित कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का पुनर्गठन खरगे ने किया है, जिसमें कुल ३६ सदस्य हैं। इसमें ३२ स्थायी आमंत्रित सदस्य और १३ विशेष आमंत्रित सदस्य (चार पदेन सदस्यों समेत) हैं। कांग्रेस ने नई कांग्रेस कार्य समिति की लिस्ट भी जारी कर दी है। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, सचिन पायलट, आनंद शर्मा समेत कई नेताओं को शामिल किया गया है। इस सूची में वो नेता भी शामिल हैं जो लंबे अर्से से पार्टी से नाराज चल रहे थे। बता दें कि कांग्रेस कार्य समिति पार्टी में अहम फैसले लेने वाली बड़ी कमेटी है। कांग्रेस कार्य समिति में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, एके एंटनी, अंबिका सोनी, अधीर रंजन चौधरी, दिग्विजय सिंह, चरणजीत सिंह चन्नी, आनंद शर्मा के अलावा कुल ३६ नेताओं को जगह मिली है। उनके अलावा कुल ३२ स्थाई आमंत्रित सदस्य, ६ विशेष आमंत्रित सदस्य, यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सेवा दल के अध्यक्षों को समिति में जगह मिली है। शशि थरूर ने समिति में शामिल होने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुझे कार्य समिति में नामित करने के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी और केंद्रीय नेतृत्व के फैसले से मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं पिछले १३८ वर्षों में पार्टी के मार्गदर्शन में सीडब्ल्यूसी द्वारा निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका से अवगत हूं। मैं अपने समर्पित सहयोगियों के साथ पार्टी की सेवा करने के अवसर को लेकर उत्सुक हूं।'' उन्होंने कहा, हममें से कोई भी उन लाखों प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं के बिना कुछ भी हासिल नहीं कर सकता जो पार्टी के प्राण हैं। आज सबसे पहले, मैं उन्हें नमन करता हूं। अनगिनत भारतीय जो अधिक समावेशी और स्वीकार्य भारत चाहते हैं, वे हमारे द्वारा सर्वश्रेष्ठ योगदान के हकदार हैं।'' थरूर उन २३ नेताओं के समूह का हिस्सा थे जिन्होंने करीब तीन साल पहले सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कांग्रेस के नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। खरगे ने पिछले साल अक्टूबर में हुए कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में थरूर को ६,८२५ मतों के अंतर से पराजित किया। खरगे को ७,८९७ वोट मिले थे तथा थरूर को १,०७२ वोट हासिल हुए थे। उस चुनाव में ९,३८५ वोट पड़े थे और इनमें से ४१६ वोट अवैध करार दिए गए थे। इस वर्ष के अंत में राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने है। राजस्थान विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को सीडब्ल्यूसी में शामिल किया गया। सीडब्ल्यूसी की घोषणा के बाद पायलट ने रविवार को कांग्रेस नेतृत्व का आभार जताया और कहा कि वह कांग्रेस की रीति–नीति व विचारधारा को सशक्त करते हुए उसे और अधिक मजबूती से जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य बनाए जाने पर मैं आदरणीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी जी एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जी का आभार व्यक्त करता हूं। हम सभी कांग्रेस की रीति–नीति व विचारधारा को सशक्त करते हुए उसे और अधिक मजबूती से जन–जन तक पहुंचाएंगे।'' उन्हें यह जिम्मेदारी राजस्थान में इस साल नवंबर–दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दी गई है। पायलट ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ मतभेदों को भुलाकर आगे बढ़ने का गत आठ जुलाई को स्पष्ट संकेत दिया था और कहा था कि सामूहिक नेतृत्व ही चुनाव में आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है और पार्टी के सभी नेता एकजुट होकर लड़ेंगे। पायलट ने यह भी कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनसे कहा है कि 'भूलो, माफ करो और आगे बढ़ो' तथा खरगे की यह बात उनके लिए एक सुझाव होने के साथ ही पार्टी अध्यक्ष का निर्देश भी है। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी उस वक्त की थी, जब इससे कुछ दिनों पहले खरगे और राहुल गांधी ने प्रदेश के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की थी, जिसमें एकजुट होकर आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला हुआ था। इस बैठक के बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह संकेत दिया था कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं करेगी।

साइबर ठगों ने महिला के खाते से उड़ाए ३.१२ लाख, SSP से शिकायत

बरेली। साइबर ठगों ने महिला के खाते से ३.१४ हजार रुपये निकाल लिए। महिला ने एसएसपी से शिकायत की। बारादरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सिकलापुर निवासी राखी शर्मा ने पुलिस को बताया कि उनका बैंक खाता सिविल लाइंस स्थित यूनियन बैंक में है। खाता में ३.१४ लाख रुपये थे। ५ जुलाई बुधवार को दोपहर १२ बजे से २ बजे तक किसी व्यक्ति ने खाता हैक करके दो बार में ३.१२ लाख रुपये निकाल लिए। रा अब उनके खाते में मात्र दो हजार रुपये बचे हैं।

मुख्यमंत्री से मिले डिप्लोमा फार्मासिस्ट के पदाधिकारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश फार्मेसी क उन्सिल व डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप बडोला और महामंत्री उमेश मिश्रा ने आज मुख्यमंत्री से मुलाकात कर संगठन और काउन्सिल की समस्याओं की जानकारी दी। यह मुलाकात कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर हुई थी। करीब २५ मिनट तक मुख्यमंत्री ने संवर्ग की समस्याओं को सुना और कहा कि संगठन की वेतन विसंगति ,पद नाम परिवर्तन एवं पदों के मानकों में परिवर्तन सहित समस्याओ पर विचार करेंगे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि प्रदेश को

फार्मेसी का हब बनाने के लिए दृण संकल्पित है, फार्मेसी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं है और हमें दवाओं के लिए दूसरे देशो पर निर्भर नहीं रहना है। उन्होंने कहा कि हमारे पास योग्य फार्मासिस्ट है और हमको नित्य नयी रिसर्च पर ध्यान केंद्रित करना है उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि फार्मासिस्ट जनता की सेवा से सीधा जुड़ा है और बड़ी जिम्मेदारी फार्मासिस्ट के ऊपर है। उन्होंने कहा कि आप लोग अपनी पहचान जनता के बीच में बनाइये ! सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अत्यंत गंभीर है और प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रो में स्वास्थ्य सेवाओं को अत्यंत मजबूत किया जायेगा, वेतन उच्चीकरण के विषय पर संगठन द्वारा उत्तराखंड एवं हरियाणा का उदाहरण देते हुए वेतन उच्चीकरण की मांग की, नियम विरुद्ध स्थानांतरण पर जाँच की माँग की व प्रदेश में फार्मेसी प्रेक्टिस रेगुलेशन लागू कराने व ब्रिज कोर्स की गाइड लाइन जारी करने, रिफ्रेशर कोर्स कराने, फार्मेसी रूल्स १९५५ में संशोधन किये जाने, नुस्खा लिखने का अधिकार दिए जाने, संयुक्त निदेशक सहित अन्य पदों पर शत प्रतिशत पदोनत्ति किये जाने आदि की माँग भी की।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर साधा निशाना

लखनऊ। विभागीय कार्यों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को बरेली पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी पार्टी करार देते हुए कहा कि अखिलेश यादव का हाल बिन पानी की मछली जैसा है। वह सत्ता के लिए तड़प रहे हैं। बोले, २०१४ से अब तक अखिलेश ने जो बयान दिए, उनमें १० प्रतिशत भी सही साबित हुए हों तो बताएं। सर्किट हाउस में पत्रकारों से रूबरू उपमुख्यमंत्री ने भारत जोड़ो यात्रा के सवाल पर भी डिप्टी सीएम ने अखिलेश पर निशाना साधा। कहा, जिसने कभी भारत माता की जय नहीं बोली, वह तिरंगा यात्रा में झंडा लेकर आगे चलेंगे। यह भाजपा की विचारधारा की ताकत है कि जो लोग कभी मंदिर नहीं जाते थे, वे सभी मंदिर जाने के

लिए मजबूर हैं। जम्मू–कश्मीर के हालात पर बोले कि कभी वहां संगीनों के साये में तिरंगा फहराने की अनुमति लेनी पड़ती थी। अनुच्छेद ३७० हटने के बाद हर घर में तिरंगा फहराया जा रहा है। जिन्होंने कभी तिरंगा नहीं फहराया, वे भी अब फहरा रहे हैं। विपक्षी एकजुटता पर यह कहकर तंज कसा कि २०१९ के चुनाव से पहले भी कई दल एक हो गए थे, परिणाम सभी ने देखे हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केशव प्रसाद ने कहा कि उनके ट्वीट देखकर मनोरंजन करते रहिए। दावा किया कि भाजपा गठबंधन के साथ इस बार यूपी में सभी ८० सीटों पर विजय पताका फहराएगी। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास के फार्मूले पर काम कर रही है। बाकी दल कुछ के लिए कुछ का विकास करते हैं। इस मौके पर वनमंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद संतोष गंगवार, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीटीसी ने आरटीओ कार्यालय में मारा छापा

लखनऊ। परिवहन विभाग परिक्षेत्र लखनऊ के उप परिवहन आयुक्त सुरेन्द्र कुमार ने शनिवार को ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ कार्यालय में छापेमारी की। डीटीसी के आरटीओ कार्यालय में पहुंचने की सूचना मिलते ही आरटीओ कार्यालय के सभी काउंटरों पर काम करने वाले प्राइवेट बाहरी कर्मचारियों और दलालों में हड़कम्प मच गया है। आनन फानन में बाबूओ का कार्य कर रहे निजी सहायक और दलाल भागने लगे। चंद मिनटों में कार्यालय के परिसर में सन्नाटा पसर गया। दलालों और निजी सहायकों के काम करने की जानकारी पर डीटीसी ने नाराजगी जताते हुये बाहरी कर्मचारी और दलाल मुक्त कार्यालय बनाने के कड़े निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आगे से अगर कोई एक भी दलाल या काउंटरों पर बाहरी कर्मचारी कार्य करते नजर आये तो संबंधित अधिकारी कर्मचारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी । इसके अलावा चार नंबर कमरे में परमिट अनुभाग में पत्रावलियों की जांच की। डीटीसी ने बताया कि परमिट अनुभाग में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। मौके पर पत्रावलियों की जांच की गई। जिसमें सभी तरह के कागजात उपलब्ध पाए गए। मौके पर किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं मिली। वहीं परिसर के काउंटर पर आवेदकों की भीड़ देखकर जल्द काम निपटाने के निर्देश कर्मियों को दिए। सर्वर रूम में डाटा फीडिंग को लेकर कागजात तलब किया। उन्होंने आरटीओ कार्यालय को स्वच्छ,साफ रखने पर जोर दिया। मौके पर मौजूद आरटीओ कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देश देते हुये कहा कि यहां पर काम कराने आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो साथ ही प्राथमिकता के आधार पर उनका कार्य निस्तारण किया जाये। कार्यालय में शौचालय और पानी की पीने की व्यवस्था बेहतर की जाये। इस दौरान आरटीओ प्रवर्तन संदीप कुमार पंकज, एआरटीओ प्रवर्तन अमित राजन राय, आरआई प्रशांत कुमार मौजूद रहे।

हेल्थ प्वांइट अस्पताल में मरीज की मौत पर एफआईआर दर्ज

लखनऊ। राजधानी के ठाकुरगंज स्थित हेल्थ प्वाइंट अस्पताल में इलाज के दौरान मरीज की मौत होने पर परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपित ड क्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। हालांकि पीड़ित परिवार ने पुलिस पर भी मामले में शिथिलता बरतने का आरोप लगाया है। दरअसल, शनिवार शाम हेल्थ प्वाइंट अस्पताल में भर्ती मरीज राम खेलावन अवस्थी (५६) की इलाज के दौरान मौत हो गई। राम खेलावन अवस्थी के बेटे भारत अवस्थी ने अस्पताल और वहां के ड क्टरों पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाये हैं। भारत अवस्थी की माने तो उनके पिता का शुगर लेवल कम होने के बाद भी अस्पताल के डॉक्टर उन्हें इंसुलिन दे रहे थे। इतना ही नहीं आईसीयू में उनके पिता भर्ती थे, उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, लेकिन अस्पताल में ५ घंटे से बिजली नहीं थी। जिससे मरीज की समस्या और बढ़ती जा रही थी, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं थी। उन्होंने बताया कि इंजेक्शन देने के बाद आरोपित शख्स वहां से भाग गया। वहीं जब पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, तो पुलिस की तरफ से भी कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई। इस

पुरे मामले में मरीज की मौत होने के बाद परिजनों ने पुलिस से लिखित शिकायत की है। जिसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर मामला दर्ज कर लिया है। मृतक की बेटी राजकुमारी अवस्थी ने बताया है कि मेरे पिता का स्वास्थ्य खराब होने पर बलागंज चौराहा हस्पिटल हेल्थ पांवइट मे लाकर दिखाया। यहां डॉ.शैलेंद्र कुमार यादव ने उनके पिता का इलाज शुरू किया। डॉक्टर ने बताया कि मरीज के फेफड़ों में दिक्कत है। ड क्टर ने कहा एक बार अ परेशन हो जाएगा तो सब ठीक हो जाएगा कोई दिक्कता नहीं होगी । आप लोग बिल्कुल परेशान मता होइए । १५ मिनट में ही वह अ परेशन को पीछे पड़ गए और अ परेशन कर डाला। बेटी ने यहां तक आरोप लगाया है कि मरीज को वेंटिलेटर पर न रखकर ऐसे ही लिटा दिया गया था। बेटी ने बताया कि १६ अगस्त को शाम करीब १६.२० मिनट पर पापा को उलझन होने शुरू हो गई। जिसके बाद ड क्टर से मरीज को देखने की गुहार लगाई गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। काफी देर बाद एक शख्स जिसका नाम डॉ. उत्तम बताया जा रहा है उसने आकर इंजेक्शन लगा दिया। बेटी का आरोप है कि उसके बाद ही उनके पिता की मौत हो गई। इस पूरे मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लखनऊ में अखिलेश यादव से मिले रजनीकांत

लखनऊ। साउथ की फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत अपनी फिल्म जेलर का देश भर में प्रमोशन कर रहे हैं। इसी कड़ी में वो यूपी आये

हुए हैं। रविवार को रजनीकांत ने पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव से उनके आवास पर मुलाकात की। इसको लेकर अखिलेश यादव ने एक खास ट्वीट भी किया है। अखिलेश से मुलाकात के समय उनकी पत्नी लता रजनीकांत भी मौजूद रहीं। अखिलेश और रजनीकांत ने कई विषयों पर चर्चा की। मीडिया से बातचीत में अभिनेता रजनीकांत ने कहा कि अखिलेश जी से मेरी पहले भी मुलाकात हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मैं समय–समय पर फोन से भी बात कर लेता हूँ। इस मौके पर रजनीकांत ने नेताजी स्वर्गीय मुलायम सिंह को भी याद किया। गौरतलब है कि साउथ सुपरस्टार ने कल सीएम योगी से भी मुलाकात की थी।

लविवि परिसर में एलएलबी के छात्र ने की खुदकुशी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) परिसर स्थित कर्मचारी आवास में शनिवार को एलएलबी के छात्र सौरभ सिंह (२४) ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। वहीं दूसरे तरफ इंटौजा में बीए की छात्रा अंशिका (२२) ने भी फंदा लगाकर जान दे दी। हसनगंज प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक, लविवि परिसर स्थित कर्मचारी क्वार्टर में पंप चालक राकेश चंद्र सपरिवार रहते हैं। उनका बेटा सौरभ विश्वविद्यालय में एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था। सौरभ ने घर के पिछले हिस्से में बने टीन शेड के कमरे में एंगल से क्रैप बैंडेज का फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली। परिजन सौरभ को नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरी तरफ इटौंजा में बीए की छात्रा अंशिका (२२) ने शुक्रवार रात घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

दुराचार के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

लखनऊ। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में साल २०१८ में मासूम बच्ची के साथ हुए दुराचार मामले में प क्सो की विशेष अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर ३० हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। विशेष लोक अभियोजक सुखेंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक चार वर्षीय पीड़िता अपनी छह साल की बहन के साथ घर पर अकेली थी, जबकि पिता काम पर गए हुए थे। इस बीच पड़ोसी युवक ने दोनों बच्चियों को अपने घर में बहाने से बुलाया। जहाँ एक को खाना देकर वापस घर भेज दिया और दूसरी बच्ची के साथ दुराचार किया। बच्ची ने

पूरी घटना परिजनों को बताई, जिसपर १० फरवरी २०१८ को इस मामले की एफआईआर पीड़िता के पिता ने थाना गोसाईगंज में दर्ज कराई थी।

पांच दिनों से लापता युवक का इंदिरानहर में मिला शव

लखनऊ। नगराम थानाक्षेत्र अन्तर्गत अचका रेगुलेटर इंदिरानहर में शनिवार सुबह धर्म चंद्र तिवारी (३२) का पानी में उतरता शव पुलिस ने बरामद किया है। बीते मंगलवार से वह चिनहट थानाक्षेत्र से लापता चल रहा था। शिनाख्त के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक के भाई दिनेश तिवारी ने हत्या का शव को ठिकाने लगाने के लिए नहर में फेंके जाने की आशंका जताई है। मूलरुप से सीतापुर जनपद के महमूदाबाद निवासी धर्म चंद्र तिवारी लेखराज मार्केट की एक दुकान में काम करता था। भाई दिनेश चंद्र तिवारी ने बताया कि भाई संजय गांधी पुरम में किराए के मकान में रहता था। वर्ष २०१५ में उसकी शादी पूनम से हुई थी। उसकी दो बेटियां है। बीते मंगलवार को दंपति के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। जिसके बाद पूनम बेटियों को लेकर मायके चली गई थी। जबकि भाई

धर्मचंद्र दुकान के लिए निकल गया था। जिसके बाद से वह लापता चलने लगा। परिजनों ने हर सम्भव जगह खोजबीन की लेकिन कहीं भी उसका सुराग नहीं मिला। इसी बीच दिनेश ने भाई के मोबाइल पर संपर्क किया तो एक अज्ञात शख्स ने फोन रिसीव किया और कहा कि इंदिरा नहर पुल के पास उसे मोबाइल पड़ा मिला है। जिसके बाद मोबाइल फोन स्विच अ फ हो गया। छोटे भाई का फोन मिलने के बाद दिनेश ने चिनहट थाने में लिखित शिकायत देते हुए गुमशुदगी दर्ज कराई। शनिवार को नगराम स्थित अचका रेगुलेटर के पास इन्दिरानहर में शव उतराने का पता चला। जिस पर दिनेश भाई कमलेश और राम सजीवन के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने अंदेशा जताया कि धर्मचंद्र की हत्या करने के बाद शव को नहर में फेंका गया है। वहीं, एडिशनल इंस्पेक्टर श्यामबाबू सिंह ने बताया कि धर्मचंद्र के नहर में कूद कर खुदकुशी करने का अंदेशा है।

हजरतगंज में नो पार्किंग से गाड़ी उठाने पर युवक का हंगामा

लखनऊ। राजधानी में ट्रैफिक पुलिस लगातार नो पार्किंग जाने में खड़ी गाड़ियों का चालान कर रही है। इसकी जद में मंत्री और अफसर भी आते हैं। शनिवार शाम को एक युवक ने अपनी गाड़ी को उठाये जाने पर पार्किंग यार्ड में जमकर हंगामा काटा। युवक ने कहा कि वो जज का बेटा है, और कर्मचारियों को जेल भिजवा देगा। युवक का धमकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला हजरतगंज की पार्क रोड का है। यहाँ नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों को टो कर लाते हैं। ये गाड़ियां जुर्माना अदा करने के बाद ही गाड़ी मालिक को दी जाती हैं। शनिवार को जिला जज लिखी एक गाड़ी को पार्किंग यार्ड में खड़ा किया गया था। कुछ ही देर बाद एक युवक वहां पहुंचा और कर्मचारियों को धमकाने लगा। युवक ने पहले नगर निगम के कर्मचारी और फिर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों से गाड़ी के पहिए से ल क खोलने के लिए कहा। कर्मचारियों ने बताया कि जुर्माना भरने के बाद ही गाड़ी छोड़ी जा सकती है। इसपर युवक भड़क गया और खुद को अधिकारी बताते हुए अभद्रता शुरू कर दी। युवक ने कर्मचारियों को जेल भिजवाने की भी धमकी दी। यही नहीं, युवक ने कहा कि कार पर जब मजिस्ट्रेट लिखा था तो फिर कैसे गाड़ी उठा ली। युवक से कर्मचारियों ने जेसीपी कानून एवं व्यवस्था से बात करने के लिए कहा। इसपर वह नाराज हो गया। काफी देर की बहस के बाद जुर्माना अदा करने पर युवक की गाड़ी छोड़ दी गई।

सत्य का क्षरणः राजनीतिक समाचारों से जुड़ा कलंक और पत्रकारिता पर इसका प्रभाव

सूचना अधिभार और तीव्र राजनीतिक ध्रूवीकरण के प्रभुत्व वाले युग में, पत्रकारिता के परि श्य में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। दुर्भाग्य से, एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति सामने आई हैः राजनीतिक समाचार पत्रकारिता के क्षेत्र में एक कलंक बन गए हैं। इस घटना की विशेषता उन पत्रकारों की निरंतर जांच है जो राजनीतिक मामलों पर सच्चाई से रिपोर्ट करते हैं, जिसमें प्रत्येक पक्ष दूसरे पर पक्षपात करने और तथ्यों को विंत करने का आरोप लगाता है। यह लेख इस परेशान करने वाली प्रवृत्ति की उत्पत्ति और परिणामों पर प्रकाश डालता है, पत्रकारों, समग्र रूप से पत्रकारिता और अंततः जनता पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों की खोज करता है।

ध्रूवीकरण का उदय और पत्रकारिता पर इसका प्रभाव

राजनीतिक समाचारों में मौजूदा संकट की जड़ें समाज के बढ़ते ध्रुवीकरण में छिपी हैं। जैसे–जैसे वैचारिक विभाजन गहराता जा रहा है, व्यक्ति अपने विश्वासों में और अधिक मजबूत होते जा रहे हैं और ऐसे समाचार स्रोतों की तलाश कर रहे हैं जो उनके पहले से मौजूद पूर्वाग्रहों से मेल खाते हों। यह घटना, जिसे आमतौर पर "पुष्टिकरण पूर्वाग्रह" के रूप में जाना जाता है, ने प्रतिध्वनि कक्षों और फिल्टर बुलबुले का निर्माण किया है, जहां लोग समान विचारधारा वाले व्यक्तियों से घिरे होते हैं और असहमतिपूर्ण ष्टिकोण से बचाए जाते हैं। "पत्रकार सत्य की खोज में अपनी स्वतंत्रता और अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं, फिर भी सराहना के बजाय, उन्हें अक्सर संदेह और संदेह का सामना करना पड़ता है, जो समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को कमजोर करने का एक रणनीतिक कदम है।" बदले में, पत्रकार अक्सर इस विभाजनकारी परि श्य की गोलीबारी में फंस जाते हैं। राजनीतिक मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय, उन्हें अपने लक्षित दर्शकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए भारी दबाव का सामना करना पड़ता है। यदि कोई पत्रकार एक सच्चा विवरण प्रस्तुत करता है जो एक पक्ष की पूर्वकल्पित धारणाओं को चुनौती देता है, तो उन पर पक्षपात का आरोप लगने या यहां तक कि व्यक्तिगत हमलों का सामना करने का जोखिम होता है। यह दमघोंटू

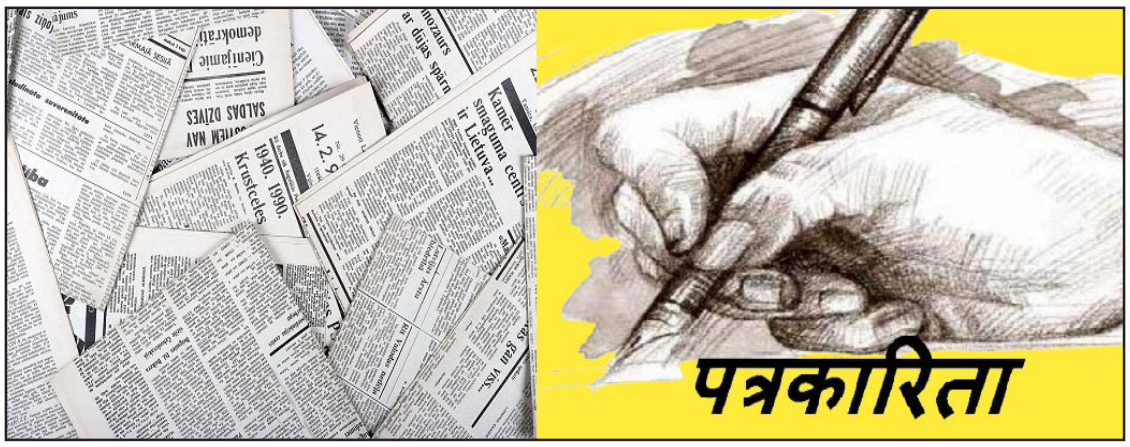

माहौल पत्रकारिता की अखंडता के लिए हानिकारक है और इसके मूल उद्देश्य को कमजोर करता हैरू जनता को सटीक और निष्पक्ष जानकारी प्रदान करना।

धारणा समस्याः पत्रकारों, पत्रकारिता और जनता के लिए एक नुकसान

राजनीतिक समाचारों से जुड़े कलंक का प्रभाव कई हितधारकों के लिए कई गुना और हानिकारक है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, यह पत्रकारों को अपने पेशे को ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ाने से हतोत्साहित करता है। प्रतिशोध का डर या जनता का विश्वास खोने से पत्रकारिता के बुनियादी सिद्धांतों से समझौता करते हुए आत्म–सेंसरशिप हो सकती है। यदि पत्रकारों को विवादास्पद राजनीतिक मुद्दों पर सटीक रिपोर्टिंग करने से हतोत्साहित किया जाता है, तो जनता सूचित निर्णय लेने के लिए आवश्यक वस्तुनिष्ठ जानकारी तक पहुंच खो देती है। "पत्रकार, अपनी अमूल्य सेवा के बावजूद, खुद को आलोचना और जांच का निशाना पाते हैं, भले ही उनका नाम अमीरों और शक्तिशाली लोगों की सूची से गायब हो।" इसके अलावा, यह प्रवृत्ति मीडिया में जनता के विश्वास को कम करती है। जब लोग मानते हैं कि पत्रकार पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण पूर्वाग्रहों से प्रेरित होते हैं, तो समग्र रूप से पत्रकारिता की विश्वसनीयता कम हो जाती है। ऐसे युग में जहां गलत सूचना और दुष्प्रचार बड़े पैमाने पर होता है, विश्वास की यह हानि समाज को और अधिक खंडित करती है, जिससे आम जमीन स्थापित करना और रचनात्मक बातचीत में शामिल होना कठिन हो जाता है।

जिम्मेदारी की भूमिकाः ईमानदार पत्रकारिता को पहचानना और उसका समर्थन करना

संदेह और अविश्वास की संसेंति को कायम रखने के बजाय, उन पत्रकारों की पहचान करना और उनका समर्थन करना महत्वपूर्ण है जो सच्चाई और ईमानदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं। पत्रकारिता की अखंडता और पेशेवर नैतिकता के पालन का जश्न मनाया जाना चाहिए, क्योंकि ये गुण विश्वसनीय और जवाबदेह रिपोर्टिंग का आधार बनते हैं। पत्रकारों के प्रयासों को मान्यता देकर, जो आख्यानों पर तथ्यों को प्राथमिकता देते हैं, समाज एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा दे सकता है जो जिम्मेदार पत्रकारिता को प्रोत्साहित करता है और उद्देश्यपूर्ण जानकारी के प्रसार को बढ़ावा देता है।"जिम्मेदार पत्रकारिता पत्रकारों और जनता दोनों से सामूहिक प्रयास की मांग करती है। सत्य के प्रति प्रतिबद्ध पत्रकारों का समर्थन करके और कई ष्टिकोणों से जानकारी का मूल्यांकन करके, हम विभाजन को पाट सकते हैं और उद्देश्यपूर्ण रिपोर्टिंग के माहौल को बढ़ावा दे सकते हैं।" इसके अलावा, राजनीतिक समाचारों से जुड़े कलंक से निपटने में समाचार उपभोक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल पूर्वकल्पित धारणाओं की पुष्टि करने वाले स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय, आलोचनात्मक सोच में संलग्न होना और कई ष्टिकोणों से जानकारी का मूल्यांकन करना अनिवार्य है। विविध ष्टिकोणों की तलाश करके और सम्मानजनक प्रवचन में शामिल होकर, व्यक्ति ध्रुवीकरण के प्रभाव को कम कर सकते हैं और एक स्वस्थ सूचना पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दे सकते हैं। जो लोग पत्रकारों पर पक्षपात करने और बाहरी प्रभावों से आसानी से प्रभावित होने का आरोप लगाते हैं, उनके लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे उन महत्वपूर्ण जोखिमों को भी याद रखें जिनका सामना पत्रकारों को अपना काम करने में करना पड़ता है। पत्रकारिता एक खतरनाक पेशा हो सकता है, दुनिया भर के पत्रकार सच्चाई को उजागर करने और जवाबदेह होने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। सत्य का साहसपूर्ण अनुसरण करने के कारण कई पत्रकारों को उत्पीड़न, शारीरिक हमलों और यहां तक कि हत्या का भी सामना करना पड़ा है। हिंसा के येंत्य न केवल समाज से मूल्यवान आवाजों को छीनते हैं बल्कि भय और धमकी का माहौल भी बनाते हैं जो सूचना के मुक्त प्रवाह को बाधित करता है। सत्य की निरंतर खोज में पत्रकारों द्वारा किए गए बलिदानों को स्वीकार करना और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने और जनता के सूचना प्राप्त करने के अधिकार की रक्षा करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानना आवश्यक है। कुल मिलाकर यह कह सकते है कि आज के दौर में राजनीतिक समाचारों से जुड़ा कलंक पत्रकारों, पत्रकारिता और जनता के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है। जैसे–जैसे वैचारिक विभाजन गहराता जा रहा है और पुष्टिकरण पूर्वाग्रह पनप रहा है, पत्रकार खुद को विश्वसनीयता की निरंतर लड़ाई के बीच में पाते हैं। हालाँकि, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि पत्रकारिता स्वाभाविक रूप से पक्षपाती नहीं है, बल्कि लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है जो जनता को सूचित करने और सशक्त बनाने का कार्य करता है। एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देकर जो सत्य और अखंडता को महत्व देता है, इन सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध पत्रकारों का समर्थन करता है, और सक्रिय रूप से जिम्मेदार समाचार उपभोग में संलग्न होकर, हम इस कलंक के हानिकारक प्रभावों का प्रतिकार करना शुरू कर सकते हैं और राजनीतिक पत्रकारिता में विश्वास का पुनर्निर्माण कर सकते हैं। केवल ऐसा करके ही हम सूचित सार्वजनिक चर्चा और अधिक एकजुट समाज को सुविधाजनक बनाने में पत्रकारिता की आवश्यक भूमिका को बहाल कर सकते हैं।.. लेखकः सी एम जैन, द हरिश्चंद्र के संस्थापक संपादक है तथा हरिश्चंद्र प्रेस क्लब एंड मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष है।

प्रयागराज के एक डॉक्टर ने कानपुर पोस्टमार्टम इंचार्ज को फोन कर धमकी दी।

कानपुर। पोस्टमार्टम इंचार्ज डा. नवनीत चौधरी ने बताया कि उनके पास १४ अप्रैल को लगातार फोन आ रहा था। १५ अप्रैल को उन्होंने फोन पर बात की तो सामने वाले ने अपना नाम डा. आशीष सिंह (जेआर ३) फोरेंसिक मेडिसीन प्रयागराज मेडिकल कॉलेज का बताया। उन्होंने अचलगंज उन्नाव निवासी पंकज यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट मांगी। हैलट स्टाफ संजय नेगी द्वारा व्हाट्सएप पर यह जानकारी दी गई। जिसपर डा. नवनीत ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर देने की बात कही मगर बाद में असमर्थता जाहिर कर दी। इसके बाद डा. आशीष सिंह ने लगातार फोन किया जिसपर डा. नवनीत चौधरी ने नम्बर ब्ल क कर दिया। साथ ही सह प्राचार्य फोरेंसिक विभाग के डा. दिनेश सिंह से शिकायत की। डा. नवनीत का आरोप है कि इसपर डा. आशीष सिंह ने १७ अप्रैल को फार्मसिस्ट नवनीत कुमार को फोन करके डा. नवनीत के लिए बेतहाशा अपशब्दों का प्रयोग किया और अमर्यादित बात कही। साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकी दी। कॉल रिकार्डिंग में आरोपित डा. आशीष सिंह फार्मसिस्ट से एक विधायक का नाम लेते हुए कहा कि उन्हें लेकर आएंगे और डा. नवनीत को उन्हीं के सामने मारेंगे। रिकार्डिंग में डाक्टर ने यह भी कहा कि इस धरती पर अतीक का एनकाउंटर हो गया तो यह क्या है। फोन पर डाक्टर ने स्वास्थ्य मंत्री की भी धमकी दी है। वह कह रहा है कि मंत्री का भतीजा मेरा दोस्त है। अभी देखों मैं क्या कराता हूं। युवक ने फोन कर १६ मिनट में १८२ बार गाली पोस्टमार्टम इंचार्ज की तरफ से तहरीर प्राप्त हुई थी। जिसपर स्वरूप नगर थाने में एफआईआर दर्ज करा दी गई है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।– प्रमोद कुमार डीसीपी सेन्ट्रल

धर्मांतारण मामले में जौनपुर पुलिस ने 13 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के पवाँरा थाने की पुलिस ने विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम से सम्बन्धित वांछित १३ अभियुक्त को आज गिरफ्तार किया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि पवारा थानाध्यक्ष राजनारायन चौरसिया ने अपने सहयोगियों के साथ ग्राम रज्जुपुर थाना पवारा से उत्तरप्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, २०२१ से सम्बन्धित अभियुक्तगण अमरनाथ पुत्र देवशरण निवासी मारुखपुर थाना मछलीशहर , पृथ्वीपाल पुत्र रामपदारथ निवासी ग्राम रज्जुपुर थाना पवारा जौनपुर, दमोदर पुत्र सतईराम निवासी बाभनपुर थाना पवारा जनपद जौनपुर ,भाईलाल पुत्र पृथ्वीपाल व अजय कुमार पुत्र महेन्द्र कुमार, रामचन्द्र गौतम पुत्र मेवालाल, संजय कुमार पुत्र महेन्द्र कुमार निवासी ग्राम निवासी रज्जुपुर थाना पवारा जौनपुर, सुनील कुमार पुत्र रामदुलार निवासी ग्राम आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ,सरिता पत्नी संजय गौतम , सुनीता पत्नी स्व. गुड्डु गौतम ,ममता पुत्री स्व. रामसमुझ .चन्दा देवी पत्नी मनोज कुमार , शान्ती देवी पत्नी पृथ्वीपाल गौतम निवासी ग्राम रज्जुपुर थाना पवारा जनपद जौनपुर को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया गया।

अद्भुत देश : जहाँ76 दिन सूरज नहीं डूबता

अमरेन्द्र सहाय अमर

यह दुनिया बहुत अजीब और आश्चर्य करने वाली है. कही२४ घंटों की रात होती है तो कहीं दिन काफी लंबा होताहै.कहीं छरू महीने सूरज नहीं निकलता और छरू महीने रात होती है.दुनिया में ऐसे कईस्थान मौजूद है जो रोचक तथ्यों से भरे पड़े हैं. यह तो सर्वविदित है कि पृथ्वी सूर्य के चक्करलगाती है. इसी चक्कर लगाने की प्रक्रिया में दिन और रात अलग अलग समय होते हैं. पृथ्वी का जो हिस्सा सूर्य के सामने पड़ता है वहां पर दिन होता है और जो हिस्सा सूर्य के विपरीत पड़ता है वहां राह होती है. आज हम जिस देश की बात आपसे करने जा रहे हैं वहां ७६ दिनों तक सूरज नहीं डूबता है. यह देश है नार्वे. नार्वे के दक्षिण पश्चिम में है उत्तरी सागर, दक्षिण में है स्केगरैक जलडमरू मध्य, पश्चिम में है नार्वेजियन सागर और उत्तर में है बैरेंट्स सागर यानी अटलांटिक महासागर. इसके उत्तर पूर्व में है फिन्लैंड और रूस के साथ की सीमायें. यहडेनमार्क, आइसलैंड, यूंनाईटेड किंगडम, ग्रीनलैंडऔर फरो द्वीप समूह के साथ समुद्री सीमायें साझा करता है. वर्ष १६०५म स्वतंत्र हुआ नार्वे, स्कैंडेने वियाप्राय

द्वीप का एक देश है जो कि उत्तरी यूरोपमें स्थित है. नार्वे की अधि ाकतर धरती पहाड़ी और इसकी तट रेखा लम्बी और असमान है. यह देश तेल, खनिज और प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है. नार्वे आर्कटिक सर्कल के अन्दर आता है जिसके वजह से यहाँ पर मई से जुलाई के मध्य लगभग ७६ दिनों तक सूरत अस्त नही होता है. इस वजह से इस देश को कंट्री आफ मिड नाइट सन के नाम से भी जाना जाता है. वैज्ञानिको के अनुसार यह एक एस्ट्रोनोमिकल फेनामिनन यानि खगोलीय घटना है.दरअसल इस समय पृथ्वी६६ डिग्री का कोण बनाते हुए घूमती है. इसके कारण पृथ्वी काएक्सिस सीधा न होकर २३ डिग्री तक झुका होता है. पृथ्वी के झुकाव के कारण ही दुनिया के अलग अलग देशों में दिन और रात के समय में अंतर होता है. नार्वे में मिड नाइट सन वाली घटना इसी स्थिति के कारण होती है. अब आप सोच रहे होंगे कि जब यहाँ ७६ दिनों तक सूरज उगा रहता है तो यहाँ गर्मी भी बहुत अधिक पड़ती होगी. नहीं ऐसा बिलकुल भी नहीं है. उत्तरी ध्रुव पर होने के कारण दूसरे देशों की अपेक्षा यहाँ ठण्ड अधिक पड़ती है. नार्वे में एक समय ४० मिनट की भी रात होती है. जी हाँ,४० मिनट की रात २१ जून वाली स्थिति के कारण होती है.इस समय ६६ डिग्री उत्तरीअक्षांश से ६० डिग्री उत्तरी अक्षांश तक का धरती का पूरा हिस्सासूरज की रोशनी में रहता है. इस वजह से सूरज सिर्फ ४० मिनट के लिए ही डूबता है. नार्वे में आधी रात को भी ना डूबने वाले सूरज को देखने के लिए दुनिया भर से पर्यटक खिंचे चले आते हैं. इसके अलावा बर्फ से भरी हुई पहाड़ियाँ, ग्लेशियर और खूसूरत वादियाँ भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है.नार्वेकी गिनती संपन्न देश में होती है. यहाँ की अधिकतर कमाई पर्यटन से ही होती है. नार्वे ही नहीं कुछ और भी देश है जहाँ कुछ दिनों तक सूरज नहीं डूबता है. यह देश है स्वीडन, फिन्लैंड, आइसलैंड और कनाडाके कुछ उत्तर पश्चिमी इलाके में भी सूरज कई दिनों तक लगातार चमकता रहता हैं।

अद्भुत किला : जिसकी दीवार रोती है खून के आंसू

अमरेन्द्र सहाय अमर

क्या आप विश्वास करेंगे कि एक किले की दीवार से आज भी खून के आंसू निकलते है .शायद आप विश्वास न करें परन्तु यह सच है. हिंदी का एक मुहावरा 'खून के आंसू रोना' तो आपने सुना ही होगा. बेबसी को बयां करने के लिए यह मुहावरा अक्सर इस्तेमाल किया जाता है. मगर क्या कभी आपने सुना है कि किसी महल या किले की दीवार खून के आंसू रोती हो ! रात के समय किले से आने वाली रहस्यमय आवाजों से दूर–दराज के इलाकों तक के लोग सिहर जाते हों !मध्य प्रदेश में एक ऐसा ही किला है, जिसके बारे में इतनी दंतकथाएं प्रचलित हैं कि उसे सुनकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे. एमपी के मुरैना जिले में स्थित सबलगढ़ के किले की ऐसी ही रहस्यमयी बातें आपको हैरान कर देंगी. इस किले के रहस्यों के पीछे कौन सी कहानी छुपी है, आइए इस बारे में जानते हैं! मुरैना के सबलगढ़ नगर में स्थित यह किला मुरैना से लगभग ६० किलोमीटर की दूरी पर है. मध्यकाल में बना यह किला एक पहाड़ी के शिखर बना हुआ है. इस किले की नींव सबल सिंह गुर्जर ने डाली थी जबकि करौली के महाराजा गोपाल सिंह ने १८वीं शताब्दी में इसे पूरा करवाया था. कुछ समय बाद सिंकदर लोदी ने इस किले को अपने नियंत्रण में ले लिया था लेकिन बाद में करौली के राजा ने मराठों की मदद से इस पर पुनः अधिकार कर लिया.१७६५ ईसवीं में यह फिर से राजा खांडे राव द्वारा ले लिया गया था, जिसका घर वहाँ है. लॉर्ड वेलेजली दौलत राव सिंधिया अपने शासनकाल सन १७६४ से १८३७ में इस किले में रहते थे. किले को १८०४ में अंग्रेजी द्वारा जब्त कर लिया गया था. किले के आसपास के क्षेत्र को सन१८०६ में सिंधिया राज्य में जोड़ा गया था. सबलगढ़ किला राजस्थानी शैली में बनाया गया है. इसके तीन मुख्य द्वार हैं, और कई मंदिर किले के भीतर स्थित हैं, जैसे कि जगन्नाथ मंदिर. यह परिसर अठारहवीं शताब्दी के किले की योजना का एक अच्छा उदाहरण है. यह उत्तर और पश्चिम की ओर बाहरी किले की दीवार से घिरा हुआ था. राज्य राजमार्ग के उत्तर की ओर १,८०० मीटर लंबी एक सतत किलेबंदी की दीवार देखी जा सकती है, जबकि किलेबंदी के कुछ छोटे हिस्से पूर्व की ओर देखे जा सकते हैं. पूर्व और पश्चिम की ओर प्रोंतिक सुरक्षा के रूप में घने जंगल हैं. दक्षिणी किनारे पर एक खाई के अवशेष भी हैं. उत्तर में चंबल नदी और पश्चिम में तलहटी में नाले ने किले के स्थान को और अधिक अनुकूल बना दिया. आंतरिक किले की दीवार १२ बुर्जों से मजबूत है और इसमें पांच प्रवेश द्वार हैं. उत्तर की ओर का प्रवेश द्वार किले में मुख्य प्रवेश द्वार प्रतीत होता है, और बाहरी और आंतरिक बस्ती के बीच संबंध का काम करता है. आंतरिक किले में महल, जनरलों और अभिजात वर्ग के लिए निवास नवल सिंह हवेली, अस्तबल, कचहरी और मंदिर जैसी अन्य सहायक इमारतें थीं, जबकि बाकी बस्ती दो किले की दीवारों के बीच थी. बस्ती में पानी के लिए कई कुएँ थे और वे आंतरिक और बाहरी दोनों किलेबंदी में स्थित थे. १७वीं शताब्दी में बना सबलगढ़ किला अपने भीतर कई ऐतिहासिक तथ्य समेटे है. इस किले ने कई राजाओं–महाराजाओं के तख्त और ताजों को आसमान चूमते और फिर मिट्टी में मिलते हुए देखा है. लगभग ४ सदी पुराना यह किला आज भी शान से सिर उठाए खड़ा है, मगर अफसोस की बात यह है कि इस ऐतिहासिक धरोहर को आस–पास के लोग इसे गर्व से नहीं, बल्कि खौफ से देखते हैं. इसके बारे में प्रचलित कहानियां ऐसी हैं कि साहसी इंसानों के भी पसीने छूट जाएं. स्थानीय लोगों का दावा है कि इस किले की एक दीवार से खून टपकता है. यानी यहां पत्थर भी खून के आंसू रोते हैं. किले के आस–पास के इलाके में रहने वालों को रात के वक्त यहां से रोने की आवाजे सुनाई देती हैं. वास्तुकला और शिल्पकला के शानदार नमूने के तौर पर इसकी विशालता और सुंदरता देखकर आज भी लोग हैरान रह जाते हैं. मगर किले से जुड़ी कहानियां इसके ऊपर ऐसी चस्पा हो चुकी हैं कि रात में तो दूर, लोग दिन के समय भी इस किले में जाने से लोग स्थानीय बुजुर्ग इस किले के इतिहास के बारे में बताते हैं कि कभी यहां राजा और रानी अपने पूरे कुनबे के साथ रहा करते थे. किले के भीतर हर समय रौनक और चहल– पहल रहा करती थी. मगर आज की तारीख में यह किला वीरान पड़ा है. किले के चौकीदार ने बताया कि इस किले में एक पत्थर है, जो खून के आंसू रोता है. कहानी है कि इस किले के राजा के बेटे की उसके दुश्मनों ने दीवार पर सिर मार–मारकर हत्या कर दी थी. तभीसे उस पत्थर से खून टपक रहा है. गांव के बुजुर्गों ने अपनी आंखों से उस दीवार से खून के आंसू निकलते देखे भी हैं. गांववाले मानते हैं कि राजा के बेटे की रूह को मुक्ति नहीं मिली, इसलिए दीवार से आज भी खून निकलता है.

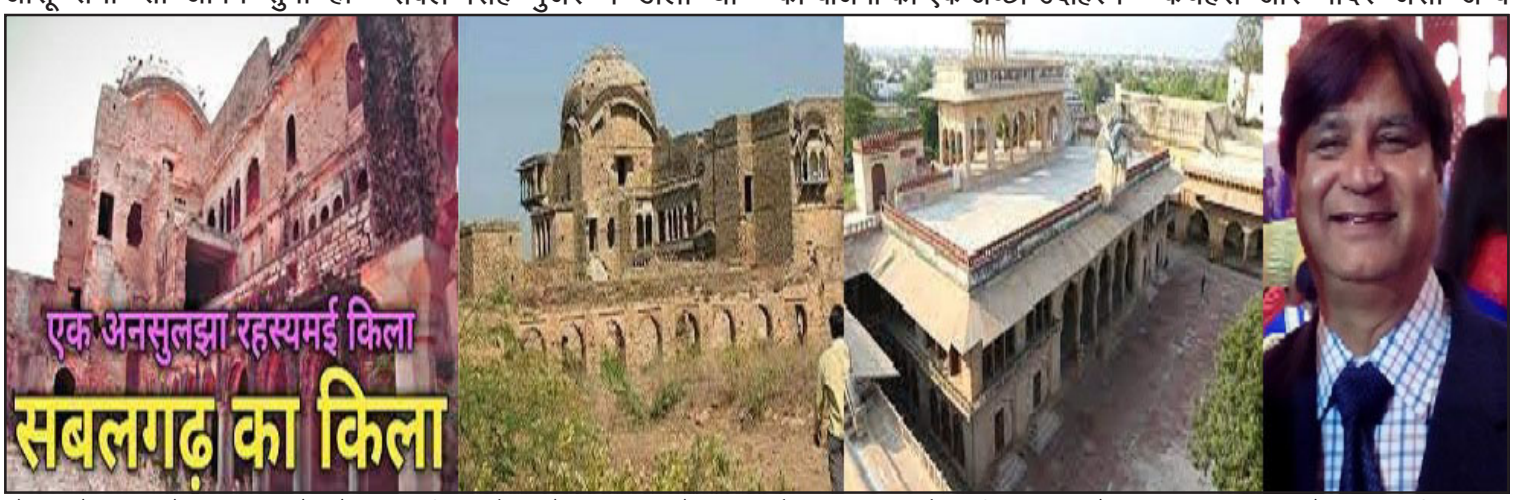

उद्यमियों और व्यापारियों के खिलाफ बिना जांच के नहीं होगी एफआईआर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा व्यापारियों एवं उद्यमियों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने के पूर्व प्रारंभिक जांच कराए जाने की अनिवार्यता के आदेश का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। मंत्री नन्दी ने कहा कि उद्यमियों व व्यापारियों को परेशान करने एवं अनावश्यक दबाव बनाने के लिए आए दिन फर्जी एफआईआर दर्ज कराने की शिकायतें आती थी, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन में अब किसी भी व्यक्ति के द्वारा व्यापारियों

व उद्यमियों के खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज नहीं कराई जा सकेगी। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक मामले में दिए गए निर्देश का पालन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने यह निर्णय लिया है। मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रदेश के विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रदेश में ईज अ फ डूइंग बिजनेस की दिशा में किसी प्रकार का अवरोध न उत्पन्न हो तथा किसी भी उद्यमी, व्यापारी, शैक्षिक संस्था, चिकित्सालय, भवन निर्माता, होटल– रेस्टोरेंट इत्यादि से संबंधित मालिक तथा प्रबंधन स्तर के कर्मचारियों का किसी प्रकार से उत्पीड़न न होने पाए इसके लिए शासन प्रशासन ढ़ संकल्पित है।

पुलिस टीम ने स्मैक तस्कर को किया गिरफ्तार

बांदा। कोतवाली नगर और एसओजी की संयुक्त टीम ने छापा मारकर केवटरा चौराहे के पास से स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से २१० ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पुलिस ने इसकी कीमत २१ लाख रुपए बताई है। इसके पहले भी पुलिस ने स्मैक बरामद की थी। शहर में मादक पदार्थों की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है। पुलिस आए दिन छापा मारकर किसी न किसी तस्कर को गिरफ्तार कर रही है। शनिवार को कोतवाली नगर और एसओजी की संयुक्त टीम ने क्योटरा चौराहे पर छापा मारकर इंद्रजीत निषाद पुत्र रामचुन्नू निषाद निवासी क्योटरा को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से २१० ग्राम स्मैक बरामद की। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने मीडिया से रूबरू होते हुए बताया कि स्मैक फर्रुखाबाद से लाकर यहां इसकी बिक्री की जाती थी। बताया जाता है कि इंद्रजीत एक बैग में स्मैक लेकर बिक्री करने जा रहा था। तभी पुलिस की संयुक्त टीम ने

घेराबंदी करके उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम में निरीक्षक नरेंद्र सिंह एसओजी, वीरेंद्र त्रिपाठी चौकी प्रभारी जेल, उप निरीक्षक राधाकृष्ण तिवारी, हेड कांस्टेबल विश्ववीर सिंह यादव, हेड कांस्टेबल अश्विनी प्रताप सिंह, कांस्टेबल भानुप्रकाश, कांस्टेबल सत्यम गुर्जर, अमित कुशवाहा, सूर्यांश, देवांश चौहान, अनुराग भदौरिया आदि शामिल रहे।

ट्रेन से कटकर युवक गई जान, परिवार में मचा कोहराम

बरेली। एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। किला के मोहल्ला बाकरगंज निवासी रफीक कई माह से अवसादग्रस्त थे। शुक्रवार को किला क्रासिंग के समीप वह ट्रेन की चपेट में आ गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वह मूल रूप से बदायूं के बिनावर क्षेत्र के रहने वाले थे। यहां वह पत्नी शाहीन और बच्चों के साथ रहते थे। इस घटना से परिजन सदमे में हैं।

महिलाओं,बहनों के लिए दो दिन चलेंगी रोडवेज की निःशुल्क बसें

लखनऊ। रक्षा बंधन त्योहार पर रोडवेज से सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी व राहतभरी खबर है। राज्य सड़क परिवहन निगम यात्रियों की अत्यधिक भीड़ और महिलाओं ,बहनों को सुगम,सुरक्षित सफर कराने को लेकर तैयारी तेज कर दी है। परिवहन निगम इस बार रक्षा बंधन पर प्रदेश भर में करीब चार हजार अतिरिक्त बसें चलाने का खाका तैयार किया है। इसमें ५०० से अधिक बसें लखनऊ रीजन से संचालित की जाएंगी। अतिरिक्त बसें सभी रुटों पर चलेंगी और महिलाओं को बिना किराए के यात्रा का लाभ दिया जाएगा। यात्री एसी बसों के लिए अ नलाइन और साधारण बसों के लिए टिकट काउंटर से टिकट ले सकेंगे। इसके अलावा यात्रा के दौरान महिलाओं की सुरक्षा के लिए इन बसों में अतिरिक्त परिचालक भी तैनात रहेंगे। आगामी ३० अगस्त को रक्षा बंधन का त्योहार है। प्रदेश सरकार की ओर से इस बार भी महिलाओं, बहनों को निःशुल्क सफर कराने का बड़ा तोहफा देने की तैयारी की जा रही है। दरअसल यूपी सरकार इस वर्ष रक्षा बंधन त्योहार पर महिलाओं के लिए दो दिन का मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मुहैया कराएगी। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने बताया कि पिछले कई साल से रक्षा बंधन पर हर बार महिलाओं के लिए निरूशुल्क बस सेवा रहती है। इस बार भी २६ अगस्त की रात से ३१अगस्त तक महिलाओं के लिए निःशुल्क सेवा रहेगी। इसकी तैयारी

की जा रही हैं। शासनादेश प्राप्त होते ही एडवाइजरी जारी की जाएगी। परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने रक्षाबंधन के दृष्टिगत बसों का संचालन यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने यात्रियों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होने, बसों व बस स्टेशन साफ सुथरे रखने पर जोर दिया है। स्टेशन पर शौचालय की व्यवस्था उत्तम रखी जाए। उन्होंने कहा कि यात्रियों की संख्या में वृद्धि से निगम की आय में भी वृद्धि होती है। रक्षाबंधन पर लम्बी दूरी दिल्ली, गाजियाबाद, आगरा, मेरठ, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर के लिए स्पेशल बसें भी चलाई जाएंगी। लखनऊ परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज पुंडीर ने बताया कि यह स्पेशल बसें लखनऊ के चारों बस अड्डों (आलमबाग, चारबाग, कैसरबाग और अवध बस स्टेशन) से चलेंगी। बसों में सीटों की क्षमता से अधिक यात्री नहीं बैठाए जाएंगे। कोई यात्री खड़े होकर बस में सफर करता मिला तो चालक और परिचालक पर कार्रवाई की जाएगी। रक्षाबंधन पर महिलाओं को बसों में लटक कर व खड़े होकर भी सफर करना पड़ता है। इस बार क्या खास इंतजाम किए गए हैं, जिससे उन्हें परेशानी नहीं हो। त्योहार पर अत्यधिक भीड़ होने के कारण परेशानी हो जाती है। इस बार कोई परेशानी न हो इसके लिए जो बसें खराब खड़ी हुई हैं, उन्हें भी ठीक कराया जा रहा है।

छात्रा की गोली मारकर हत्या, अभियुक्तों को पकड़ने के लिए बनाई गई टीमें

जालौन। जालौन जिले के एट कोतवाली क्षेत्र में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। कॉलेज से पेपर देकर वापस अपने घर जा रही बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा को दिनदहाड़े तमंचा से गोली मार दी गई। गोली लगने से मौके पर ही छात्रा की मौत हो गई। गोली की आवाज से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना थाना पुलिस को दी गई। इंस्पेक्टर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और इस घटना की जानकारी आला अफसरों को दी। एट थाना क्षेत्र के ऐंधा गांव निवासी रोशनी १८ वर्ष पुत्री मानसिंह अहिरवार एट में स्थित रामलखन पटेल महाविद्यालय में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा है। वह अपनी बड़ी बहिन शीलम व भाई श्रीचंद्र के साथ पेपर देने के लिए निकली थी। वह कॉलेज पहुंची और पेपर दिया इसके बाद जब तीनों वापस लौट रहे थे। तभी पीछे से तमंचा लहराते हुए आए बाइक सवार दो युवकों ने छात्रा को गोली मार दी। गोली सिर को निशाना बनाकर लगाई गई। गोली लगते ही उसकी मौके पर मौत हो गई। तमंचा से गोली मारने के बाद हत्यारे मौके पर अवैध असलहा को छोड़कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। दूसरी तरफ साथ चल रही छात्रा की बड़ी बहिन शीलम ने पुलिस को तहरीर दी है। इसमें उसने बताया कि जब वह और उसका भाई रोशनी के साथ घर जा रहे थे। तभी दो युवक बाइक पर तमंचा लहराते हुए आए और मेरी बहिन के गोली मार दी। एक राज नाम के युवक को वह पहचानती है जो कदौरा के जमरेही गांव का रहने वाला है। नह एक लड़के को नहीं पहचानती। पुलिस ने बड़ी बहिन की तहरीर के आधार पर राज व

एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। घटना की सूचना पर कोतवाल ऐके सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने इसकी सूचना अधिकारियों को दी। सूचना पर एसपी ईराज राजा, एएसपी असीम चौधरी, सीओ कोंच शैलेंद्र बाजपेयी मौके पर पहुंचे। घटना स्थल का मुआयना किया और जरूरी दिशा निर्देश दिए। घटना की सूचना पाकर डीआईजी झांसी जोगिंदर सिंह भी पहुंचे। पुलिस की माने तो प्रथण दृष्टया पूरा मामला प्रेम प्रसंग का नजर आ रहा है। चर्चा है कि मृतका का राज नाम के एक लड़के से काफी समय से अफेयर चल रहा था। लड़की की शादी तय होने के बाद उसने लड़के से बात करना बंद कर दिया था। बताया जाता है कि यह बात उसे नागवार गुजर रही थी। रविवार को आक्रोशित प्रेमी ने अपने साथी के साथ पेपर देकर लौट रही रोशनी को भरे बाजार अवैध असलहा से गोली मार दी। खुलेआम बीच सड़क पर दो बाइक सवारों ने एक पैदल जा रही लड़की को गोली मारी तो इससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। गोली की आवाज सुनकर दुकानदारों ने दुकानों की शटर डाल दी और तमाशबीन बन गए। आसपास की दुकाने देखते ही देखते बंद हो गई। जहां पर छात्रा की गोली मारकर हत्या की गई वहां पर फोरेंसिंक टीम व सर्विलांस टीम मौके पर पहुंची। फोरेंसिंक टीम की ओर से बड़ी बारीकी से जांच की गई। घटना स्थल से ब्लड का नमूना लिया गया। टीम ने अपने स्तर से काम शुरू कर दिया है। रोशनी हत्याकांड का खुलासा करने के लिए पुलिस अधीक्षक ईराज राजा ने चार टीमों का गठन किया है। इसमें टीमें को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए है। एसओजी, सर्विलांस टीम के साथ दो टीमे और लगाई है। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि जो घटना हुई है उसके आरोपी जल्द ही गिरफ्तार किए जाएंगे।

चंद्रयान-३ की 'सॉफ्ट लैंडिंग' का २३ अगस्त को कई मंच पर होगा सीधा प्रसारण: ISRO

बेंगलुरु। अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत के प्रयास को २३ अगस्त को तब उल्लेखनीय सफलता मिल जाएगी जब इसका चंद्रयान–३ मिशन चंद्रमा की सतह पर 'साफ्ट लैंडिंग' करेगा और इसका कई मंचों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को कहा कि यह उपलब्धि भारतीय विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगी, जो अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की प्रगति का प्रतीक होगी। पूरा देश चंद्रयान–३ को 'स फ्ट लैंडिंग' में सफल होते देखना चाहता है। इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सीधा प्रसारण २३ अगस्त, २०२३ को भारतीय समयानुसार शाम १७:२७ बजे शुरू किया जाएगा। 'स फ्ट–लैंडिंग' का सीधा प्रसारण इसरो की वेबसाइट,

इसके यूट्यूब चौनल, इसरो के फेसबुक पेज और डीडी नेशनल टीवी चौनल सहित कई मंचों पर उपलब्ध होगा। इसरो ने कहा, ''चंद्रयान–३ की 'सॉफ्ट लैंडिंग' एक यादगार क्षण होगी जो न केवल जिज्ञासा को बढ़ाती है, बल्कि हमारे युवाओं के मन में अन्वेषण के लिए जुनून भी जगाती है।'' इसने कहा, ''यह गर्व और एकता की गहरी भावना पैदा करता है क्योंकि हम सामूहिक रूप से भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शक्ति की खुशी मनाते हैं। यह वैज्ञानिक जांच और नवाचार के माहौल को बढ़ावा देने में योगदान देगा।'' इसरो ने कहा कि इसके आलोक में, देशभर के सभी विद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों को छात्रों और शिक्षकों के बीच इस कार्यक्रम को सक्रिय रूप से प्रचारित करने और अपने परिसरों में चंद्रयान–३ की 'स फ्ट लैंडिंग' का सीधा प्रसारण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

ऐप पर जीएसटी बिल 'अपलोड' करने से जल्द मिल सकता है इनाम

नई दिल्ली। आम लोगों को जल्द ही एक मोबाइल ऐप पर जीएसटी चालान अपलोड करने के लिए इनाम मिल सकता है। सरकार बहुप्रतीक्षित 'मेरा बिल मेरा अधिकार' योजना जल्द शुरू करने जा रही है। मामले से परिचित दो अधिकारियों ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि चालान प्रोत्साहन योजना के तहत खुदरा या थोक विक्रेता से मिले बिल (इनव इस) ऐप पर 'अपलोड' करने वाले लोगों को मासिकध्त्रैमासिक १० लाख रुपये से एक करोड़ रुपये तक का नकद पुरस्कार दिया जा सकता है। 'मेरा बिल मेरा अधिकार' ऐप आईओएस और एंड्र इड दोनों मंच पर उपलब्ध होगा। ऐप पर अपलोड किए गए 'इनव इस' में विक्रेता का जीएसटीआईएन, इनव इस नंबर, भुगतान की गई राशि और कर राशि की जानकारी होनी

चाहिए। एक अधिकारी ने कहा कि एक व्यक्ति एक महीने में अधिकतम २५ बिल 'अपलोड' कर सकता है, जिसका न्यूनतम मूल्य २०० रुपये होना चाहिए। उन्होंने बताया कि योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे जल्द जारी किया जा सकता है।

राहुल गांधी चीन की 'प्रोपेगैंडा मशीनरी' की तरह काम कर रहे : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस दावे को खारिज कर दिया कि चीन ने लद्दाख में चारागाह भूमि पर कब्जा कर लिया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी चीन की 'प्रोपेगैंडा मशीनरी' की तरह बयान देकर भारत का अपमान कर रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने गांधी के दावों को 'बिल्कुल गलत' बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान के कारण चीन को गलवान में पीछे हटना पड़ा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कथन कि लद्दाख की एक इंच जमीन पर भी चीन ने कब्जा नहीं किया है, सच नहीं है। लद्दाख के दौरे पर आए राहुल गांधी ने अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा, ''लद्दाख के लोग चीनी सेना द्वारा कब्जे में ली गई अपनी चारागाह भूमि को लेकर चिंतित हैं। '' राहुल गांधी के दावों पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''आपने (गांधी ने) लद्दाख के बारे में जो कुछ भी कहा है वह बिल्कुल गलत है... मैं पार्टी की ओर से आपके पूरे बयान की निंदा करता हूं।'' भाजपा नेता ने कहा, ''राहुल गांधी जी, आप गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता और बलिदान पर सवाल उठा रहे हैं। आप वहां जाकर भारत को बदनाम क्यों करते हैं? आप चीन की 'प्रोपेगैंडा मशीनरी' क्यों बन जाते हैं?'' उन्होंने आरोप लगाया, ''राहुल गांधी, जब भी आप सीमावर्ती क्षेत्र का दौरा करते हैं तो आप कुछ ऐसा कहते हैं, जिससे चीन को भारत के खिलाफ दुष्प्रचार का मौका मिलता है।'' प्रसाद ने कहा कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान के कारण चीन को गलवान में पीछे हटना पड़ा। उन्होंने पूछा, ''यह सच है या नहीं?'' प्रसाद ने आरोप लगाया, ''भारत–विरोधी बयान देना राहुल गांधी की आदत है।'' भाजपा नेता ने भारत की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर गांधी की समझ पर सवाल उठाया और कांग्रेस नेता से अपील की कि वह इस तरह की टिप्पणियों से देश का मनोबल कमजोर न करें। प्रसाद ने कहा, ''हम आपसे इस बात पर बहस कर सकते हैं कि आप भारत की सुरक्षा जरूरतों को कितना समझते हैं... लेकिन यह सुरक्षा के मामले में भारत का मनोबल कमजोर न करें।'' जून २०२० में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद भारत–चीन संबंधों में तनाव आया, जो दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था। भारतीय और चीनी सैनिक पूर्वी लद्दाख में कुछ बिंदुओं पर तीन साल से अधिक समय से टकराव की स्थिति में हैं। हालांकि, दोनों पक्षों ने राजनयिक एवं सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों की तैनाती में कमी की है।

पूर्व मानवाधिकार मंत्री शिरीन मजारी की बेटी इमान मजारी गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की पूर्व मानवाधिकार मंत्री शिरीन मजारी की बेटी इमान मजारी को रविवार सुबह यहां उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। तरनूल थाने के एक अधिकारी ने बताया कि युवा वकील और कार्यकर्ता इमान मजारी पर सरकारी मामलों में दखल देने, धरना प्रदर्शन तथा विरोध करने के आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। उनकी मां शिरीन मजारी ने गिरफ्तारी को ''अपहरण'' बताया और कहा कि सादे कपड़ों में आए लोग ''हमारे घर के मुख्य दरवाजे को तोड़ने के बाद मेरी बेटी को अपने साथ ले गए।' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, ''वे हमारे सुरक्षा कैमरे और उसका लैपट प तथा मोबाइल फोन ले गए। हमने पूछा कि वे किसके लिए आए हैं और वे इमान को खींचकर बाहर ले गए। उन्होंने घर के कोने–कोने की तलाशी ली। मेरी बेटी नाइट ड्रेस में थी और उसने कहा कि मुझे कपड़े बदलने दो लेकिन उन्होंने उसे बाहर घसीट लिया। जाहिर तौर पर कोई वारंट या किसी कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। सरकार का फासीवाद। घर में सिर्फ दो महिलाएं थीं। यह अपहरण है।'' शिरीन मजारी को नौ मई को हुए दंगों के बाद पुलिस हिरासत में ले लिया गया था जिसके बाद उन्होंने पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। अपनी गिरफ्तारी से पहले इमान ने खुद 'एक्स' पर बताया कि ''अज्ञात लोग'' उनके घर के कैमरे तोड़ रहे हैं, दरवाजा तोड़ रहे और उसे फांदकर अंदर घुस रहे हैं। इस बीच,

पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने इमान की गिरफ्तारी की निंदा की और उन्हें तत्काल तथा बिना किसी शर्त के रिहा करने को कहा। इमान मजारी काफी मुखर रही हैं और सेवानिवृत्त सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में पिछले साल से आपराधिक मुकदमे का सामना कर रही हैं। वह अपनी ५७ वर्षीय मां के पूर्ववर्ती पीटीआई सरकार में मंत्री रहने के दौरान उनकी भी आलोचक रह चुकी हैं।

कांग्रेस कार्य समिति का गठन, मनमोहन, सोनिया और राहुल समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को अपनी नयी कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का गठन किया जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस कार्य समिति में ३९ सदस्य, ३२ स्थायी आमंत्रित सदस्य और नौ विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल किए गए हैं। कांग्रेस के चारों अग्रिम संगठनों–युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सेवा दल के प्रमुख सीडब्ल्यूसी में पदेन सदस्य होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पिछले साल अक्टूबर में निर्वाचन के बाद पदभार संभाला था। इसके करीब १० महीने बाद उन्होंने कार्य समिति गठित की है। प्रियंका गांधी वाद्रा, एके एंटनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, आनंद शर्मा, शशि थरूर और कुछ अन्य वरिष्ठ नेता सीडब्ल्यूसी में शामिल किए गए हैं।

लेह के केरी में खाई में गिरा सेना का ट्रक, ९ जवानों की गई जान

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में शनिवार को सेना के एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से उसमें नौ सैनिकों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना दक्षिणी लद्दाख के न्योमा के कियारी के पास हुई। लेह के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पी डी नित्या ने कहा कि सेना के वाहन में १० जवान सवार थे और यह वाहन लेह से न्योमा की ओर जा रहा था। उन्होंने बताया कि रास्ते में वाहन के चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया और वाहन शाम ४.४५ बजे खाई में गिर गया। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और सभी घायल सैनिकों को सेना की चिकित्सा इकाई ले जाया गया जहां आठ कर्मियों को मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि बाद में एक और जवान की मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि एक अन्य जवान का उपचार चल रहा है और उसकी हालत ''गंभीर'' बताई गई है।

प्रमोशन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को देना होगा संपत्ति का ब्यौरा

लखनऊ। अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी संपत्ति का पूरा ब्यौरा देना होगा। ऐसा न करने वालों का प्रमोशन नहीं हो सकेगा। यह सख्त फैसला प्रदेश की योगी आदित्यनाथ ने लिया है। यूपी के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने प्रमुख सचिव समेत सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश जारी कर दिया है। जारी निर्देश में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ३१ दिसम्बर तक अपनी संपत्ति का पूरा ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल को देना होगा। इस निर्देश के बाद भी यदि किसी अधिकारी और कर्मचारी ने अपना ब्यौरा मानव

संपदा पोर्टल पर नहीं दिया तो साल २०२४ के बाद होने वाले डीपीसी में उन्हें शामिल नहीं किया जायेगा। इससे पहले भी अधिकारियों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा देना होता था, लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है कि अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल पर देना होगा। सरकार के इस फैसले के बाद अधिकारी और कर्मचारी संपत्ति की जानकारी छिपा नहीं सकेंगे। इस आदेश के पीछे सरकार की मंशा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ नकेल कसी जा सके।

सीएम योगी से मिले साउथ सुपरस्टार रजनीकांत

लखनऊ। साउथ सुपरस्टार रजनीकांत ने आज शनिवार की शाम को यूपी के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ से उनके आवास पर मुलाकात की। इतना ही अभिनेता रजनीकांत ने आवास पर पहुंचकर सबसे पहले सीएम योगी का पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया। सीएम योगी ने रजनीकांत का पुस्तक देकर स्वागत किया और उन्हें कुछ गिफ्ट भी दिए। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी अभिनेता रजनीकांत के साथ फिल्म 'जेलर' देखेंगे। इससे पहले यूपी सरकार की कैबिनेट ने फिल्म 'Jailor' देखी। बता दें कि फिल्म 'Jailor' १० अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म जेलर को दर्शकों का जमकर प्यार मिल रहा है। बता दें कि अभिनेता रजनीकांत शुक्रवार की शाम लखनऊ पहुंचे थे। लखनऊ पहुंचने के बाद मीडिया ने जब उनसे पूछा था कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर रही है तो उन्होंने कहा कि बस भगवान की कृपा है। रजनीकांत रविवार को अयोध्या जाएंगे। वह अयोध्या में भगवान श्री राम के दर्शन करेंगे। इसके साथ ही अयोध्या में राम जन्मभूमि पर बन रहे भव्य राम मंदिर को भी देखने का कार्यक्रम है। राम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। अगले साल २१ से २३ जनवरी के बीच राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी।

राजवीर देओल और पलोमा ढिल्लों की फिल्म 'दोनो', की रिलीज डेट हुई अनाउंस, इस दिन देगी सिनेमाघरों में दस्तक

मुबई। राजवीर देओल और पलोमा ढिल्लों की आने वाली फिल्म दोनो ०५ अक्टूबर को रिलीज होगी। राजश्री प्रोडक्शन हाउस ने नये कलाकारों को लॉन्च करने के अपनी ७५ साल की लैगेसी को बरकरार रखा है। यह प्रोडक्शन सभी स्ट्रीम्स के नई प्रतिभाओं को लॉन्च करते आया है। राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड अपनी ५६वी फिल्म दोनों ,जियो स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत कर रहा हैं। फिल्म दोनो से सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म में

राजवीर देओल के अपोजिट मुख्य भूमिका में ब लीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा नजर आएंगी। उनकी भी ये डेब्यू फिल्म ही है। राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड जियो स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत दोनों को कमल कुमार बड़जात्या, राजकुमार बड़जात्या, अजीत कुमार बड़जात्या और ज्योति देशपांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के लिए क्रिएटिव प्रोडक्शन का नेतृत्व सूरज आर. बड़जात्या कर रहे हैं।फिल्म दोनो ०५ अक्टूबर को रिलीज होगी।

निखिल सिद्धार्थ की फिल्म स्वयंभू का पोस्टर रिलीज

मुंबई। दक्षिण भारतीय अभिनेता निखिल सिद्धार्थ की आने वाली फिल्म फिल्म स्वयंभू का पोस्टर रिलीज हो

गया है। निखिल सिद्धार्थ की फिल्म स्वयंभू का निर्देशन भरत ष्णमाचारी कर रहे हैं। इस फिल्म को भुवन और श्रीकर पिक्सेल स्टूडियो के तहत बनाया जा रहा है। जिसे टैगोर मधु प्रस्तुत करेंगे। इस फिल्म का पोस्टर भी जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में निखिल एक क्रूर योद्धा के रूप में नजर आ रहे हैं। फिल्म स्वयंभू में निखिल के साथ संयुक्ता मेनन मुख्य भूमिका में हैं।फिल्म स्वयंभू का संगीत बसरुर ने दिया है। एम प्रभारन प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और फिल्म के डायल ग वासुदेव मुनेप्पगारी ने लिखे हैं।

बिजली बिल न जमा करने वाले बड़े बकायेदारों को रात में आयेंगे फोन

लखनऊ। बिल न जमा होने से कनेक्शन काटने से पहले उपभोक्ता को अलर्ट मैसेज भेजें। बड़े बकायेदारों से वसूली के लिए मुनादी कराई जाए, उन्हें रात में भी फोन किया जाए। राजस्व वसूली बढ़ाने के लिए सभी उपभोक्ताओं को समय से सही बिल दिया जाए, साथ ही शत प्रतिशत बिलिंग कराई जाए। यह निर्देश प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अधिकारियों को दिया है। उन्होंने कहा है कि जनता को नये विद्युत कनेक्शन आसानी से प्राप्त हों इसके लिए वर्तमान व्यवस्था में और सुधार एवं सरलीकरण किया जाये। उन्होनें कहा कि गाँव के गरीब व्यक्ति के लिये आनलाइन आवेदन करना कठिन होता है, इसलिये ऐसी व्यवस्था बनायी जाये, जिससे अशिक्षित, गरीब सभी आसानी से कनेक्शन प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि विद्युत सम्बन्धी कार्यों में पारदर्शिता हो, इसके लिये उपभोक्ता फ्रेन्डली व्यवस्था बनायी जाये। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा आज शक्ति भवन में समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होनें क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों को निश्चित समय में बदलने के लिये भी निर्देशित किया। उन्होनें कहा कि अभी भी अनेक स्थानों से यह शिकायतें आ रही है कि कतिपय ठेकेदार ट्रांसफार्मर बदलने में स्थानीय उपभोक्ताओं से अनुचित मांग करते हैं जो स्वीकार नहीं है। ऐसे लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये तथा ट्रांसफार्मरों की ट्रैकिंग व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाये जिसमें ट्रांसफॉर्मर के बदलनें के कार्यों में पारदर्शिता रहे, जिससे कोई भी अनुचित लाभ न ले सके।

३०० करोड़ के क्लब में शामिल हुई 'गदर २'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल की फिल्म गदर २, ने बॉक्स ऑफिस पर ३०० करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' वर्ष २००१ में रिलीज हुयी थी। इस फिल्म में सनी देओल ,अमीष पटेल और अमरीश पुरी ने अहम भूमिका निभायी थी। गदरः एक प्रेम कथा' के सीक्वल

गदर २ में एक बार फिर से सनी और अमीषा की जोड़ी है। 'गदर २' ११ अगस्त को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई है। 'गदर २' पहले दिन से ही ऑडियंस का जबरदस्त रिस्प न्स मिल रहा है। गदर २ बॉक्स ऑफिस पर बंपर कलेक्शन कर रही है। 'गदरः एक प्रेम कथा' में सनी देओल (तारा सिंह) और अमीषा पटेल (सकीना) की जोड़ी ने फैंस के दिलों में अपनी खास जगह बनाई थी। 'गदर २' में भी दर्शकों ने इस जोड़ी को प्यार दिया है। 'गदर २' ने पहले सप्ताह में २८४ करोड़ की कमाई की थी। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के अनुसार गदर २ ने दूसरे शुक्रवार यानी आठवें दिन २०.५० करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। फिल्म की कुल कमाई ३०५.१३ करोड़ रुपए हो गई है। 'गदर २, में सनी और अमीषा के साथ उत्कर्ष शर्मा, मनीष वाधवा, सिमरत कौर, लव सिन्हा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; ckthbl
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqj'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
C;qjks phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ०प्र० से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक